नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 18 Nov 2022 - 18rag 3

कलेक्टर डॉ फरिहा ऑलम सिद्दकी से सौजन्य मुलाकात की।

हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा पर कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर । खरसिया। एक नवम्बर के दिन रहीस, जब छत्तीसगढ़ राज हर बनीस; अउ अठाईस नवम्बर के दिन रहीस, जब छत्तीसगढ़ भासा ल अपन मानेन। लेकिन मानेच ल कछु नी होय। एला जाने बर घलो लागही। आजकाल के लईकामन बड़खा-बड़खा इस्कुल कालेज म जात हें अउ अपन के भासा ल भुलात जात हें। ''नांगर, ढेकी, जाता; काकी, बड़ी, भांचा'' ल भुलाथें। ये सबला हमन ल जाने बर पढ़ही, छत्तीसगढ़ के संसकिरती ल संजो के राखे बर पड़ही। एकरी सेथी यूनीवर्सिटी हर घलो बीए आखिरी अउ एमए के आखिरी पेपर म छत्तीसगढ़ ल राखे हे। छत्तीसगढ़ राज और छत्तीसगढ़ भासा के मान राखे खतिर खरसिया कालेज के हिन्दी विभाग के बड़खा गुरूजी डाकटर रमेस टण्डन हर एक ठन कार्यसाला राखे के उदिम करिस। पन्दरा तारीख के छत्तीसगढ़ रोंठा गोठकार-गोठकारिन मन ल एहा अपन कालेज म बुलाइस अउ एमए के लईका मन के आघू म ओमन के गोठ ला सुनाइस। छत्तीसगढ़ भासा के सकलोइया दिनेस संजय हर अघवा बन के पहुना मन करा छत्तीसगढ़ महतारी के पूजा कराइस, फेने कौसिलया अउ नमिता मन राजगीत ला गाइन। कालेज लइकामन सबो पहुना मन ला दीया आरती दिखा के, टिका लगा के सुवागत करीन। डाकटर रमेस टण्डन हर सबझन ल चिनहाइस, तेकर पीछू अघवा गोठकारीन बंदना जायसवाल मेडम हर अपन गोठ ल बताइस कि कइसे छत्तीसगढ़ के इतिहास रहीस, इहां के लिखोइया मन कइसन आघू बढ़ीन। रइगढ़ के लिखोइया डाकटर बलदेव के बारे म घलो एहर बताइस। एहर बने असन एक ठन गीत भी गाईस। एखर पाछू सरोजनी डडसेना हर अपन गुरतुर बोली म बनेच अकन गोठयाइस, अपन के लिखे कविता ल घलो एहर सुनाइस। एला भी लईका मन बने पतियाईन अउ पोठ ताली बजाइन।